

question. because the Question Hour is going to be over.

SHRI PILOO MODY : It is already over.

SHRI S. K. SAMBANDHAN : Will the hon. Minister tell us the percentage of applications for licences for import of silk and the value of silk imported during the last year.

SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK : As regards the exports of silk, the figures are as follows; in 1965, it was Rs. 282 lakhs; in 1966, it was Rs. 331 lakhs; in 1967, it was Rs. 408.60 lakhs; in 1968, it was Rs. 600 lakhs, and this year, up to October, it is Rs. 10.83 crores.

SHRI S.K. SAMBANDHAN : I wanted to have the break-up as between powerloom and handloom.

SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK : These figures are for both categories.

SHRI S. K. SAMBANDHAN : Which is more ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI B. R. BHAGAT) : Handloom is more.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Import of fertilizers by private fertilizers companies

*364. **SHRI GADILINGANA GOWD :** Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) the names of the private fertilizer companies in India which have been granted import licences ;

(b) the quantity of fertilizers imported by them during the last five years and the value thereof ?

(c) whether it is a fact that the policy of importation of the fertilizers by private companies require re-examination in view of various Government of India undertakings in the trade ; and

(d) if so, what steps are being pro-

posed to be taken in this direction and if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Details of import licences are published in the "Weekly Bulletin of Industrial Licences, Import Licences and Export Licences", copies of which are available in the Parliament Library.

(b) The figures of actual imports by public and private agencies are not maintained separately.

(c) and (d). The import of fertilizers by private companies is not at present allowed. The import of these goods has been canalised through S. T. C. or is made on Government account by the Department of Agriculture.

Removal of Ban on Export of Pulses

*368. **SHRI N. SHIVAPPA :** Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the question of removing of ban on the exports of pulses by India is under the consideration of Government ; and

(b) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Export of pulses is not banned.

(a) Does not arise.

केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा केन्द्रीय मंत्रियों के विरुद्ध जांच

*369. **श्री शशि भूषण :**

श्री कार्तिक उराव :

श्री अमृत नाहाटा :

श्री प० सु० सहद :

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में केन्द्रीय जांच

व्यूरो द्वारा कितने केन्द्रीय मंत्रियों और उप-मंत्रियों के बारे में जांच की गई ;

(ख) क्या केन्द्रीय जांच व्यूरो द्वारा दिए गए प्रतिवेदनों में किसी मंत्री के विरुद्ध शक्तियों के दुरुपयोग के कोई आरोप लगाये गए हैं ;

(ग) यदि हां, तो सरकार की उन पर क्या प्रतिक्रिया है ;

(घ) क्या केन्द्रीय जांच व्यूरो ने मंत्रियों की पंतुक सम्पत्ति के बारे में जांच की थी ; और

(ङ) यदि हां, तो क्या यह सच है कि केन्द्रीय जांच व्यूरो की जांच के दौरान कुछ मंत्रियों ने व्यूरो को अपनी पंतुक सम्पत्ति के बारे में गलत जानकारी दी थी और क्या सरकार का विचार उन मंत्रियों के बारे में पुनः जांच कराने के बाद कोई कार्यवाही करने का है जिन्होंने अपनी पंतुक सम्पत्ति के बारे में गलत जानकारी दी है और बेनामी अभिकरणों की स्थापना करके सम्पत्ति छुपाई है तथा अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है ?

प्रधान मंत्री वित्त मंत्री, अणु शक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री (श्रीमति इन्दिरा गांधी) :

(क). केन्द्रीय जांच व्यूरो ने पिछले तीन वर्षों में किसी केन्द्रीय मंत्री अथवा उप मंत्री के खिलाफ कोई जांच नहीं की है ।

(ख) से (ङ) : प्रश्न नहीं उठते ।

कपास के मूल्य का निर्धारण

*370. श्री देवराव पाटिल : क्या बंदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली तथा बाजार में बिकने वाली

कपास के मूल्य अभी तक निर्धारित नहीं किए गये हैं ;

(ख) क्या कपास के निर्धारित मूल्य उत्पादकों के हित में नहीं है ; और

(ग) यदि हां, तो कपास के लिए लाभकारी मूल्य निर्धारित करने हेतु क्या प्रयत्न किये गये हैं ।

बंदेशिक व्यापार मंत्री (श्री ब० रा० मगत) : (क) से (ग). 1 सितम्बर, 1967 से कपास पर से कानूनो मूल्य नियंत्रण हटा लिया गया था और सरकार अब कपास के बिक्री मूल्य निर्धारित नहीं करती । फिर भी, सरकार प्रत्येक कपास वर्ष के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा करती है और इस बात का आश्वासन देती है कि वह कपास के लिए तैयार होगी जिनकी पेशकश उन न्यूनतम समर्थन मूल्यों पर की गयी हो । यह व्यवस्था कपास वर्ष 1967-68 तथा वर्ष 1968-69 में संतोषजनक रूप से चली और इसे वर्ष 1969-70 के लिए भी जारी रखा गया है ।

विदेशों में पूंजी विनियोजना करने वाले भारतीय विनियोजकों को राजनीतिक खतरों से गारंटी

371. श्री शारदा नन्व :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री जगन्नाथ राय जोशी :
श्री वृजभूषण लाल
श्री सुरजमान :

क्या बंदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विदेश व्यापार संस्थान के इस सुझाव पर यह निर्णय किया है कि विदेशों में व्यापार तथा उद्योग धन्धों के संयुक्त उपक्रमों में पूंजी लगाने वाले भारतीयों को राजनीतिक खतरों से बचाव की गारंटी दी जानी चाहिये ;